Name of the capability enhancement program	Date of implementation (DD-MM-YYYY)	Number of students enrolled	Name of the agencies/consultants involved with contact details (if any)
Lecture on Identification and textures of igneous rocks	30.07.2016	24	Dr. Neeraj Vishwakarma, Department of Applied Geology N.I.T. , Raipur

Outcome of this lecture	The students learnt about textures of igneous rocks.

Name of the capability enhancement program	**Date of implementation (DD-MM-YYYY)**	**Number of students enrolled**	**Name of the agencies/consultants involved with contact details (if any)**
Lecture on Environmental Geology	24.09.2016	**16**	Dr. D. P. Kuity Retd. Professor, Pt. R. S. University, Raipur Mob. No. 9926249929

Outcome of this lecture	The students learnt about fundamental concepts of Environmental Geology

30.09.2016

Name of the capability enhancement program	**Date of implementation (DD-MM-YYYY)**	**Number of students enrolled**	**Name of the agencies/consultants involved with contact details (if any)**
Lecture on Gemology	30.09.2016	34	Dr. S. Vansutre, Asstt. Prof. Department of Geology Govt. N. PG Science College, Raipur Mob. No. 7489422108

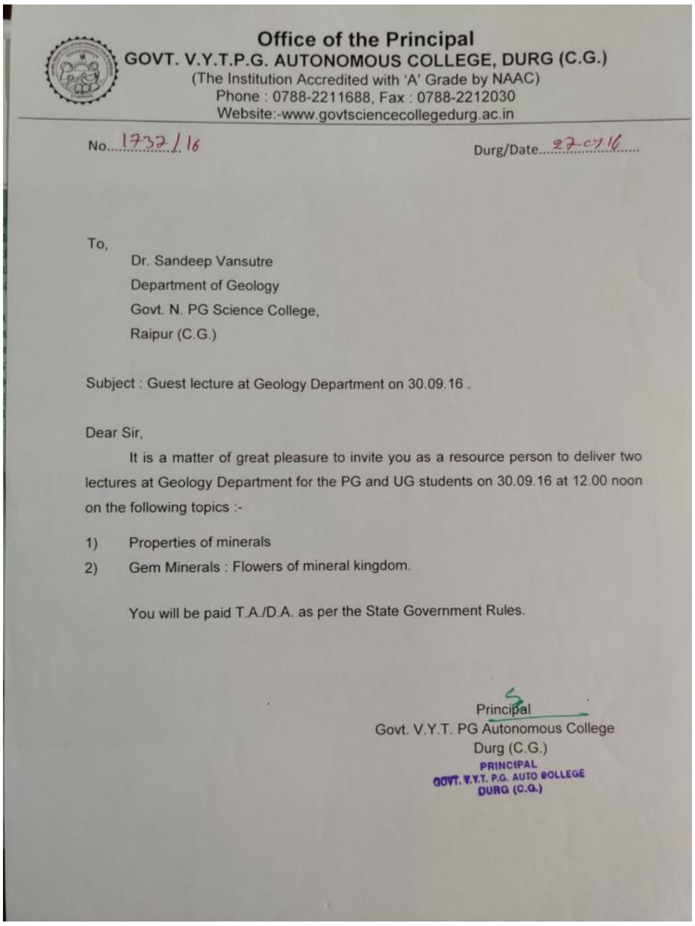

Office of the Principal
GOVT. V.Y.T.P.G. AUTONOMOUS COLLEGE, DURG (C.G.)
(The Institution Accredited with 'A' Grade by NAAC)
Phone : 0788-2211688, Fax : 0788-2212030
Website:-www.govtsciencecollegedurg.ac.in

No. 1737/16 Durg/Date 27-07-16

To,
Dr. Sandeep Vansutre
Department of Geology
Govt. N. PG Science College,
Raipur (C.G.)

Subject : Guest lecture at Geology Department on 30.09.16 .

Dear Sir,

It is a matter of great pleasure to invite you as a resource person to deliver two lectures at Geology Department for the PG and UG students on 30.09.16 at 12.00 noon on the following topics :-

1) Properties of minerals
2) Gem Minerals : Flowers of mineral kingdom.

You will be paid T.A./D.A. as per the State Government Rules.

Principal
Govt. V.Y.T. PG Autonomous College
Durg (C.G.)
PRINCIPAL
GOVT. V.Y.T. P.G. AUTO COLLEGE
DURG (C.G.)

Outcome of this lecture	The students learnt about properties of gem minerals.

Name of the capability enhancement program	Date of implementation (DD-MM-YYYY)	Number of students enrolled	Name of the agencies/consultants involved with contact details (if any)
INSPIRE Program Lecture on introduction to Geology	25.10.2016	200 school children	Dr. S. D. Deshmukh (Mob. No 9329112268)and Dr. P. K. Shrivastava (Mob. No. 9827178920) (Faculty members of Geology Department)

Outcome of this activity	The school children learnt about Geology and its branches.

Name of the capability enhancement program	Date of implementation (DD-MM-YYYY)	Number of students enrolled	Name of the agencies/consultants involved with contact details (if any)
Interaction with Alumni, Topic on " How to prepare for competitive exams"	16.12.2016	14	Shri Amit Soni(G.S.I),Smt Bhuneshwari Patle (DGM), Dr. Benidhar Deshmukh(IGNOU) Chanchal Singh(NIT)

Outcome of this activity	The UG students got answers to their queries regarding job prospects in Geology

Name of the capability enhancement program	Date of implementation (DD-MM-YYYY)	Number of students enrolled	Name of the agencies/consultants involved with contact details (if any)
Heartfulness meditation Masterclasses	2,3,4 January,2017	21	Dr. S. D. Deshmukh (Mob. No 9329112268)

Outcome of this activity	The participants learnt about Heartfulness meditation and its effect in their life through first hand practical experience

Name of the capability enhancement program	Date of implementation (DD-MM-YYYY)	Number of students enrolled	Name of the agencies/consultants involved with contact details (if any)
Guest lecture on introduction to G.I.S. softwares	7.02.2017	35	Mr. Abhishek Dewangan CCOST 9993790665

Outcome of this activity	The participants (PG students of Geology and Geography) learnt about principle and applications of G.I.S. softwares

Name of the capability enhancement program	Date of implementation (DD-MM-YYYY)	Number of students enrolled	Name of the agencies/consultants involved with contact details (if any)
Earth Day Celebration	22.04.2017	38	Dr. P. K. Shrivastava (Mob. No. 9827178920)

विश्व पृथ्वी दिवस आयोजित
मौसम संबंधी रेड अलर्ट में अत्यधिक सावधानी की आवश्यकता

मौसम संबंधी रेड अलर्ट में आज नागरिकों को अत्यधिक सावधानी की आवश्यकता है। महाविद्यालय में भूगर्भशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित "विश्व पृथ्वी दिवस" पर वक्ताओं द्वारा दी गई जानकारी में सामने आया। इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी एवं तापमान में हो रही लगातार वृद्धि पर बड़ी संख्या में उपस्थित प्राध्यापकों व विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए भूविज्ञान के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि मौसम में परिवर्तन संबंधी अलर्ट हेतु मौसम विभाग 3 प्रकार के अलर्ट जारी करता है। इसमें यलो अलर्ट, ऑरेंज अलर्ट तथा रेड अलर्ट प्रमुख है। हमें इन अलर्ट का वास्तविक अर्थ समझने का प्रयास करना चाहिए। यलो अलर्ट के अंतर्गत मौसम संबंधी उस चेतावनी को समाहित किया जाता है, जिसमें आगामी आने वाले दिनों में मौसम में अकस्मात परिवर्तन जैसे तापमान में वृद्धि आदि का संकेत होता है। इस परिवर्तन से उस क्षेत्र में रहने वाले लोग प्रभावित हो सकते है। इससे बचने हेतु नागरिक अपनी यात्रा का प्लान अथवा दैनिक दिनचर्या में परिवर्तन कर सकते है। यलो अलर्ट का मुख्य अर्थ है कि आप मौसम विभाग की अगली भविष्य वाणी का ध्यान रखें।

वहीं ऑरेंज अलर्ट का मतलब होता है कि मौसम में परिवर्तन के फलस्वरूप तापमान में इस प्रकार एकाएक वृध्दि होना जिसका सीधा दुष्प्रभाव आम नागरिकों पर पड़ता है इसके लिए नागरिकों को पूर्व तैयारी करना आवश्यक है। उदाहरण के लिए दोपहर के समय कम से कम घर से बाहर निकलना, अति आवश्यक होने पर चेहरे एवं शरीर को ढक कर निकला, पेयपदार्थों का अधिक से अधिक सेवन तथा बाहर के खाद्य पदार्थों के सेवन से परहेज करना। "आरेंज अलर्ट" के अंतर्गत नागरिकों को मौसम की अधिकतम दुष्प्रभावों के प्रति सचेत होकर पूर्व तैयारी करने का प्रयत्न करना चाहिए।

वर्तमान में छत्तीसगढ़ अंचल एवं देश के अन्य हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी तथा लगभग 42 डिग्री सेल्सियस के 45 डिग्री सेल्सियस के मध्य का तापमान एवं उससे अधिक तापमान में वृद्धि मौसम विभाग की 'रेड अलर्ट' की श्रेणी में आता है। इससे बचने हेतु मौसम विभाग नागरिकों को लगातार पानी पीने तथा घरों से सुबह 11.00 से शाम 4.00 बजे तक धूप में बाहर न निकलने की सलाह देता है इस अवधि में सूर्य से निकलने वाली हानिकारक पराबैंगनी किरणों के दुष्प्रभाव से त्वचा संबंधी रोग होने की संभावना सर्वाधिक होती है। तापक्रम में अत्यधिक वृद्धि का परिचायक 'रेड अलर्ट' में नागरिकों विशेषकर बच्चों को अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए। बड़े पैमाने पर डी-हाइड्रेशन, दस्त लगना, तेज बुखार, लू लगना, उल्टी आदि इस श्रेणी के लक्षण हैं। इसी परेशानी से बचने शासन द्वारा स्कूलों के समय में परिवर्तन किया गया है।

डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि प्रशांत महासागर के सतही जल में लगातार तापमान में वृध्दि के कारण भारतीय दक्षिण पश्चिमी मानसून प्रभावित होता है। इस वजह से शुष्क हवायें प्रभावित होने से जहां तापमान में लगातार वृद्धि होती है वहीं दूसरी ओर वर्षा की मात्रा घटती जाती है। इसे एलनीनो प्रभाव कहते है। यह मुख्यतः वायु मण्डल में कार्बन डाय ऑक्साइड की बढ़ती हुई मात्रा के कारण होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार विश्व में वर्षभर में लगभग 800 गीगा टन कार्बन डाय आक्साइड गैस का उत्सर्जन होता है, उसमें से 20 अप्रेल 2017 तक यानी 4 महीनों में ही 531 गीगा टन कार्बन डाय आक्साइड गैस उत्सर्जित हो चुकी है। यही लगातार बढ़ते तापमान का प्रमुख कारण है।

भूगर्भशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीनिवास देशमुख ने "विश्व पृथ्वी दिवस" मनाने की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित लोगों से आव्हान किया कि वे विश्व स्तर पर सोंचे तथा स्थानीय स्तर पर प्रयत्न प्रारंभ करें। पृथ्वी के संरक्षण को अति आवश्यक बताते हुए डॉ. देशमुख ने पौधारोपण, जल संरक्षण, वाहनों का कम प्रयोग, विद्युत की बचत जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। विश्व पृथ्वी दिवस पर आयोजित इस समारोह में धन्यवाद ज्ञापन श्री कोमल सिंह वर्मा ने किया। भूगर्भशास्त्र के विद्यार्थियों ने इस अवसर पर जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, ग्लोबल वार्मिंग, ज्वालामुखी, भूमिगत जल प्रदूषण आदि विषयों पर आधारित पोस्टर एवं मॉडल भी स्वयं बनाकर प्रदर्शित किये।

Outcome of this activity	The PG students learnt about weather alerts, climate change and importance of conservation of natural resources.